अपनी हेल्थकेयर फैसिलिटी को कोविड-19 के लिए तैयार करें

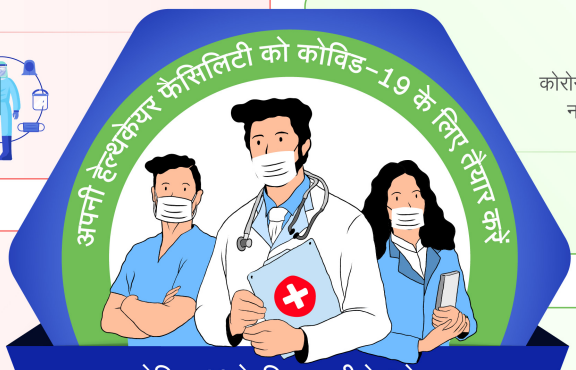

कोविड-19 के लिए अपनी हेल्थकेयर फैसिलिटी को तैयार करने के लिए ये कदम उठाकर आप अपनी, अपने रोगियों तथा स्वास्थ्य कर्मचारियों की सुरक्षा कर सकते हैं.

रोगी के पहुंचने से पहले

क्लिनिक को तैयार करें

जब भी संभव हो, रोगियों के लिए टेलीमेडिसिन परामर्श का इस्तेमाल करें.

क्लिनिक में एक साथ ज़्यादा रोगी न आएं, उसके लिए अपॉइंटमेंट मैनेजमेंट सिस्टम का प्रयोग करें.

अपने स्वास्थ्य विभाग का संपर्क विवरण अपने पास रखें और उनसे जुड़े रहें.

पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट (PPE) तथा डिस्इंफेक्टेन्ट्स (कीटाणुनाशक) का पर्याप्त स्टॉक क्लिनिक में हर समय मौजूद होना चाहिए.

रोगियों के साथ संवाद

रोगियों को क्लिनिक में आने से पहले ही मास्क पहनने तथा दूसरे रोगियों व स्टाफ से 3 फीट की दूरी बनाए रखने की हिदायत दें. रोगियों को सूचित करें कि क्लिनिक को नियमित रूप से कीटाणुशून्य (डिस्इंफेक्ट) किया जाता है.

गैर-जरूरी एपॉइन्टमेंट्स को पुन: शिड्यूल करने पर विचार करें.

प्रवेश स्थानों तथा प्रतीक्षा स्थानों पर बचावकारी कदमों जैसे कि खांसने संबंधी शिष्टाचार के पोस्टर/संकेत चिह्न लगाएं.

गैरजरूरी निर्धारित सर्जरियों को बाद के लिए शेड्यूल करें.

प्रतीक्षा स्थान तथा रोगी के कमरों को तैयार करें

जहां भी संभव हो, कुर्सियों को 3-6 फीट की दूरी पर रखें. बैरियर्स (जैसे कि स्क्रीन्स) का इस्तेमाल करें, यदि मुमकिन हो.

टिश्यूज, कूड़ेदान, सिंक पर अल्कोहॉल आधारित हैंड रब तथा साबुन आदि चीजें उपलब्ध कराएं.

अगर आपके ऑफिस में खिलौने, पढ़ने की सामग्री या दूसरी संचारकारी सामग्रियां हैं तो उन्हें हटा लें या उनकी नियमित रूप से सफाई करें.

रोगी के आंकलन के बाद

जिन रोगियों को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत हो, उन्हें घर में देखभाल संबंधी निर्देश दें. फॉलोअप के लिए टेलीहेल्थ विकल्पों पर विचार करें.

अपने स्वास्थ्य विभाग में कोविड-19 के लक्षणों वाले रोगियों की सूचना दें.

24x7 HELPLINE
011-2397 8046

रोगियों के जाने के बाद, बार-बार छुई जाने वाली सतहों जैसे कि काउंटर्स, बेड्स तथा बैठने की जगह की डिस्इंफेक्टेन्ट्स से सफाई करें.

रोगियों के पहुंचने पर

रोगियों को सही जानकारी दें

कोविड -19 के लक्षण वाले तथा कोविड-19 के ज़्यादा जोखिम वाले रोगियों अर्थात जिनमें अन्य बीमारियां मौजूद हों, को प्राथमिकता दें.

CORONAVIRUS PATIENTS

रोगियों का मनोबल बढ़ाएं और उन्हें समझाएं कि कोरोनावायरस रोग को कलंक से न जोड़ें.

प्रवेश द्वार पर रोगियों के लक्षणों की पूछताछ के लिए स्टाफ रखें

कोरोना के लक्षण वाले रोगियों को अपना मुंह और नाक ढकने के लिए टिश्यूज़ या फेस मास्क दें.

रोगी के अलावा दूसरे लोगों के आने पर अंकुश लगाएं

कोविड-19 के रोगियों को अलग करें

अगर उनके लिए संभव हो, तो रोगियों को बाहर उनकी गाड़ी में इंतज़ार करने की हिदायत दें.

प्रतीक्षा स्थानों पर ज़्यादा अस्वस्थ और कम अस्वस्थ रोगियों को अलग-अलग जगहों पर बिठाएं.

कोविड-19 के रोगियों को जल्द से प्राइवेट रूप उपलब्ध कराएं.

जिन रोगियों की हालत स्थिर हो उन्हें जल्दी डिस्चार्ज करें और स्थिर हालत वाले नए रोगियों की भर्ती को प्रतिबंधित करें.

अपने स्टाफ को प्रशिक्षित व तैयार करें

स्टाफ को इंफेक्शन से बचाव और उसकी रोकथाम का प्रशिक्षण दें.

अपने स्टाफ को (PPE) को सही तरीके से इस्तेमाल करने, उतारने और सुरक्षित तरीके से निपटान करने में प्रशिक्षित करें.

अपने स्टाफ को कोविड-19 के लक्षण पहचानने में प्रशिक्षित करें.

स्टाफ के लिए गंभीर रूप से बीमार रोगियों को जल्दी पहचानने की प्रक्रियाओं बनाएं और लागू करें.

सभी के लिए हाथों की स्वच्छता तथा खांसते समय शिष्टाचार पर जोर दें.

स्टाफ से कहें कि बीमार होने पर घर में रहें.

अगर किसी स्टाफ में कोविड-19 के लक्षण पाए जाते हैं तो उसे घर भेज दें.

आइए, साथ मिलकर हम कोविड-19 को हरायें!

Joint Effort for Elimination of Tuberculosis

www.projectjeet.in | facebook.com/projectjeet | @Jeetind18